

03.01.23 वाक 3 (04)

अभियुक्तता में है

(02) मानवीय अभियुक्तता अनुपस्थित है परन्तु यह

अथ (02) अनुपस्थित नहीं

यह अभियुक्तता निम्न नाम संख्या: (1) प्रमोद सिंह (2) नवल सिंह है।

अभियुक्तता

अभियुक्तता

वाक प्रमाण

है

03-1-23

अभियुक्तता का अपलोड किया।
अवलोकनोपरांत प्राप्त होता है कि
वाक नं (02) उपरोक्त अनुपस्थित अभियुक्तों
के विरुद्ध दिनांक 03.02.22 को N.B.W
जारी कर दिया गया था, परन्तु उपस्थिति
नहीं होने के कारण एवं जे.ए.पी.के
आत्मसमर्पण नहीं करने कारण वाक
की प्रगति हेतु पुनः अनुपस्थित अभियुक्तों
के विरुद्ध दिनांक 17.06.22 को प्रदिया ही
पारा 82 के सं. का. के अन्तर्गत अभियुक्त
जारी कर दिया गया था, फिर भी वाक
के अनुपस्थित अभियुक्तों को विचारण
का मामला में प्रस्तुत नहीं किया जा
सकता है पुनः दिनांक 29.11.22 को प्रदिया
की पारा 83 सं. प्र. के अन्तर्गत मामला
अथ जारी कर दिया गया। फिर भी
अभियुक्तता को मामला में प्रस्तुत नहीं
किया जा सका है।

यदि यह वाक काफ़ी पुराना 2011 का है
और मानवीय उच्च मामला, अथवा पुनः
आविष्कार पुराने मामले को उन्हे प्रमाणित
की जाया जा पर पब्लिक प्रोसेक्यूटोर जनरल जी
काय ही ए. सि. पी. के अनुपस्थित अभियुक्तों
के विरुद्ध पारा 299 सं. प्र. के अन्तर्गत आगे लेने
की इजाजत देता है।

अतः मानवीय न्याय एवं परिष्कारिता
का उद्देश्य प्राप्त करने में (02) अनुपस्थित अभियुक्तों
(1) प्रमोद सिंह एवं (2) नवल सिंह की उपस्थिति
अविवेक में हीन प्रतीत होता है।

मानवीय

